# ये गुज़ारिश मेरी कान्हा रे | By Varsha Srivastav |

ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे
तु रहे बस मेरी
नज़रों के सामने
मैं निहारूँ तुझे
तु निहारे मुझे
मैं रहूँ तु रहे
आमने-सामने
ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे

क्या मिले तुम मुझे
ज़िंदगी मिल गई
तेरे आने ही से
हर कली खिल गई
दर तेरे लाई है
भक्त की चाह रे
तु रहे बस मेरी
नज़रों के सामने
ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे

प्रीत का ये नशा
अब उतरता नहीं
मेरे मन को कोई
और जचता नहीं
क्या नशा कर दिया
एक तेरे नाम ने
तु रहे बस मेरी
नज़रों के सामने
ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे

ना तो जीते हैं हम
ना तो मरते हैं श्याम
जो दिया तुमने हम
उसको सहते हैं श्याम
हमको ज़िंदा रखा
बस तेरी याद ने
तु रहे बस मेरी
नज़रों के सामने
ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे

अब किसी से नहीं
दिल लगा पाएंगे
चाहे भी तो तुझे

ना भुला पाएंगे
हर्ष क्या कर दिया
प्रीत के आग ने
तु रहे बस मेरी
नज़रों के सामने
ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे

सुख की चाहत नहीं
दुख ही देना हमें
प्रीत की डोर से
बांध लेना हमें
गिर न जाए कहीं
हाथ ही थाम ले
तु रहे बस मेरी
नज़रों के सामने
ये गुज़ारिश मेरी
तुझसे है कान्हा रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%b6-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%b0/